भारत सरकार
संचार मंत्रालय
दूरसंचार विभाग

राज्य सभा
अतारांकित प्रश्न सं.3059
उत्तर देने की तारीख 19 मार्च 2026

हाई-स्पीड इंटरनेट कनेक्टिविटी का प्रभाव

3059 श्री संजय कुमार झाः

क्या संचार मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या यह सच है कि निम्न पृथ्वी कक्षा (एलईओ) उपग्रहों का उपयोग करके दूरस्थ स्थानों पर हाई-स्पीड इंटरनेट कनेक्टिविटी प्रदान करने वाली एक वैश्विक कंपनी भारत के दूरसंचार बाजारों में प्रवेश करने जा रही है;
(ख) यदि हां, तो क्या इससे इंटरनेट संपर्क की कुल लागत में वर्तमान स्तर से वृद्धि या कमी होने की संभावना है; और
(ग) भारत के ग्रामीण उपभोक्ताओं पर इसका क्या प्रभाव पड़ेगा?

उत्तर
संचार एवं ग्रामीण विकास राज्य मंत्री
(डॉ. पेम्मासानी चंद्र शेखर)

(क) से (ग) दूरसंचार विभाग (डीओटी) ने अन्य बातों के साथ-साथ देश में दूरस्थ स्थानों में कनेक्टिविटी सहित सैटेलाइट आधारित इंटरनेट सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए तीन कंपनियों, नामत: वनवेब इंडिया कम्युनिकेशंस प्राइवेट लिमिटेड, जियो सैटेलाइट कम्युनिकेशंस लिमिटेड, और स्टारलिंक सैटेलाइट कम्युनिकेशंस प्राइवेट लिमिटेड को ग्लोबल मोबाइल पर्सनल कम्युनिकेशन बाई सैटेलाइट (जीएमपीसीएस) सेवा प्राधिकार के साथ यूनीफाईड लाइसेंस (यूएल) प्रदान किया है। उपर्युक्त तीनों कंपनियों ने सूचित किया है कि वे निम्न पृथ्वी कक्षा (एलईओ)/मध्यम पृथ्वी कक्षा (एमईओ) सैटेलाइट कॉन्सटेलेशंस के माध्यम से सेवाएं प्रदान करेंगी।

इसके अलावा, यह भी परिकल्पित है कि सैटेलाइट आधारित इंटरनेट सेवाएं प्रदान करने के लिए और अधिक लाइसेंसधारियों के होने से, इस क्षेत्र में प्रतिस्पर्धा बढ़ेगी जिससे सस्ती सेवाएं प्राप्त होंगी।

सैटेलाइट आधारित संचार सेवाएं ग्रामीण, दूरस्थ, अल्पसेवित और सेवा से वंचित क्षेत्रों में कनेक्टिविटी प्रदान कर सकती हैं, जिन्हें अन्यथा ऑप्टिकल फाइबर, माइक्रोवेव आदि जैसे स्थलीय माध्यमों से कवर करना कठिन है। इससे डिजिटल विभाजन को पाटने और डिजिटल सेवाओं तक पहुंच को बढ़ावा देने में मदद मिलेगी।

*****